

**परिपूत** वि. (तत्.) 1. अति पवित्र, अत्यंत पुनीत, पावन 2. साफ कर लिया गया अन्न, छना हुआ अन्न, गंदगी निकला हुआ अन्न।

**परिपूरक** वि. (तत्.) 1. परिपूर्ण कर देने वाला, भरने वाला 2. समृद्धि करने या देने वाला, धनधान्य से संपन्न करने वाला 3. संपूर्ण, परिपूर्ण, सारा।

**परिपूरण** पुं. (तत्.) 1. परिपूर्ण करना, भर देना, पूर्ण करना 2. दे. परिपूर्ण।

**परिपूरणीय** वि. (तत्.) परिपूर्ण करने योग्य।

**परिपूरन** वि. (तत्.) दे. परिपूर्ण।

**परिपूरित** वि. (तत्.) 1. पूर्णतः भरा हुआ, पूरी तरह से भरा हुआ, परिपूर्ण 2. संपूर्ण, पूरा किया हुआ।

**परिपूर्ण** वि. (तत्.) 1. एकदम भरा हुआ, सम्यक् रीति से भरा हुआ, हर तरह से पूर्ण 2. पूर्णतः तृप्त, अघाया हुआ 3. पूर्ण किया हुआ, समाप्त किया हुआ।

**परिपूर्णंदु** पुं. (तत्.) पूर्णिमा का चंद्रमा, सोलह कलाओं से युक्त चंद्र।

**परिपूर्ति** स्त्री. (तत्.) परिपूर्ण होने की क्रिया या भाव, परिपूर्णता।

**परिपृच्छ** पुं. (तत्.) जिज्ञासा, प्रश्न।

**परिपृच्छक** वि./पुं. (तत्.) प्रश्नकर्ता, पूछने वाला, जिज्ञासा रखने या प्रकट करने वाला, जिज्ञासु।

**परिपृच्छनिका** स्त्री. (तत्.) वाद-विवाद का विषय।

**परिपृच्छा** स्त्री. (तत्.) 1. जिज्ञासा, प्रश्न करना, पूछना, पूछने का भाव 2. जिज्ञासा।

**परिपेलव** वि. (तत्.) अति सुकुमार, कोमल, सुंदर, मुलायम पुं. एक सुगंधित घास।

**परिपोट** पुं. (तत्.) कर्ण रोग, कान का ऐसा रोग जिसमें त्वचा छिल जाती है, गल जाती है।

**परिपोटक** पुं. (तत्.) दे. परिपोट।

**परिपोटन** पुं. (तत्.) 1. दे. परिपोट 2. किसी वस्तु का छिलका उतरना, आवरण हटना।

**परिपोटिका** स्त्री. (तत्.) दे. परिपोट।

**परिपोष** पुं. (तत्.) पूर्ण पुष्टि या वृद्धि।

**परिपोषण** पुं. (तत्.) 1. पालन, परवरिश, अच्छी तरह से किया जाने वाला पोषण 2. पुष्ट या वर्धित करना।

**परिप्रश्न** पुं. (तत्.) 1. जिज्ञासा, प्रश्न 2. किसी जानकारी के निमित्त किया गया प्रश्न।

**परिप्राप्ति** स्त्री. (तत्.) मिलना, प्राप्ति होना।

**परिप्रेक्ष** पुं. (तत्.) दे. परिप्रेक्ष्य।

**परिप्रेक्ष्य** पुं. (तत्.) दृश्य पदार्थ या व्यक्तियों का ऐसा चित्रण या प्रस्तुति कि उनका परस्पर भेद या अंतर स्पष्ट हो जाए।

**परिप्रेषण** पुं. (तत्.) 1. चारों तरफ भेजना, वस्तु, व्यक्ति या पत्रादि भेजना 2. किसी व्यक्ति को दूत बनाकर भेजना 3. देश से बाहर भेजना, निर्वासन, देश-निकाला 4. परित्याग करना, त्याग देना।

**परिप्रेष्य** वि. (तत्.) 1. भेजने योग्य, प्रेरित करने योग्य 2. पुं. नौकर, दास, अनुचर, भृत्य।

**परिप्रोत** वि. (तत्.) 1. चारों ओर से गुथा हुआ, आच्छादित 2. छिपा हुआ।

**परिप्लव** वि. (तत्.) 1. तैरता हुआ, बहता हुआ, नौका, नाव, जहाज 2. बाढ़, प्लावन, गतिमय 3. प्रकंपित, काँपता हुआ 4. अत्याचार, जुल्म 5. पुराणों के अनुसार सुखीनल राजा के एक पुत्र या राजकुमार का नाम।

**परिप्लावित** वि. (तत्.) दे. परिप्लुत।

**परिप्लुत** वि. (तत्.) 1. जिसके चारों ओर जल ही जल हो, डुबा हुआ, प्लावित 2. भीगा हुआ, आर्द्र, स्नात 3. अभिभूत 4. काँपता हुआ, कंपित पुं. छल्लाँग, कूद, फल्लाँग।